'अग्नि मीट योर पुलिस' में नागरिकों से संवाद

साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहें नागरिक : CP

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसळकर ने शहर में बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता जताते हुए नागरिकों से अपील की है कि वे इसे लेकर ज्यादा से ज्यादा सावधानी बरतें. बांद्रा में अग्नि एच-वेस्ट वार्ड द्वारा आयोजित 'अग्नि मीट योर पुलिस' कार्यक्रम में नागरिकों से बात करते हुए फणसलकर ने मुंबई और देश के अन्य हिस्सों में हो रहे साइबर अपराधों के बारे में नागरिकों को सचेत किया और सूचना भी दी कि इससे निपटने के लिए मुंबई पुलिस ने एक डीसीपी रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में साइबर क्राइम विंग भी बनाया है और इसके साथ ही साथ शहर में साइबर धोखाधड़ी के मामलों से निपटने के लिए विशेष रूप से 5 साइबर पुलिस स्टेशन खोले हैं. इसके अतिरिक्त, नागरिकों को शिकायत दर्ज करने और शहर में इस तरह के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए हर पुलिस स्टेशन में एक डेडिकेटेड साइबर सेल है. उन्होंने बताया कि हर सेल में एक पुलिस इंस्पेक्टर, दो सब-इंस्पेक्टर और दो से तीन कांस्टेबल शामिल हैं. मुंबई एकमात्र ऐसा शहर है जहां साइबर मामलों के लिए इतने सारे पुलिस स्टेशन हैं. अग्नि के ट्रस्टी और संयोजक दिनेश अहीर ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि बीएमसी के साथ एएलएम बैठकों की तर्ज पर नागरिकों और पुलिस को अधिकारियों के साथ नियमित बैठक करने की अधिक आवश्यकता है. यह फेरीवालों, अतिक्रमण, अवैध निर्माण, ट्रैफिक सिग्नल उल्लंघन आदि से संबंधित नागरिकों के विभिन्न मुद्दों को पूरा करने के लिए बीएमसी और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय ला सकता है. दिलचस्प बात यह है कि ट्रैफिक सिग्नल 100 साल पहले अंग्रेजों द्वारा पेश किए गए थे, पर आज पढ़े-लिखे नागरिक भी ट्रैफिक सिग्नलों का पालन नहीं करते हैं. मेट्रो के काम में हुई खुदाई से यातायात की समस्या होना तय है, जिसे पुलिस के पास उपलब्ध सीमित संसाधनों के कारण आसानी से हल नहीं किया जा सकता है.

05 साइबर स्टेशन खुले हैं मुंबई में

जनता जनार्दन का सहयोग जरूरी

ऐसे में नियमों का पालन करने में नागरिकों का सक्रिय सहयोग ही इस समस्या का समाधान कर सकता है. कुछ क्षेत्रों में सीसीटीवी काम नहीं करने के सवाल पर, सीपी ने कहा कि यह सच नहीं हो सकता है क्योंकि सीसीटीवी के कामकाज के बारे में विभिन्न स्थानों से दैनिक रिपोर्ट एकत्र की जाती है. एच-वेस्ट वार्ड की सामाजिक कार्यकर्ता अनंदिनी ठाकुर ने पुलिस से मिलने वाले समर्थन पर संतोष व्यक्त किया और अनिल पारस्कर (डीसीपी जोन 9) को सम्मानित किया.